

हार कर दर पे जो आता है

हार कर दर पे जो आता है
सांवरा उनको अपनाता है
थोड़े आंसू और मन में भाव लिए
श्याम चरणों में जो आता है
हार कर दर पे

श्याम देता सहारा वो ही तो दे आसरा
बीच मंझधार जो कशती किनारा भी दे सांवरा
हर दम हारे का देता साथ है
ऐसा श्याम सरकार है
जिनकी साँसों में नित प्रेम है
सांवरा उनको अपनाता है
हार कर दर पे

गम के बदल जब छाये लीले चढ़ वो आता है
अपने भक्तों के जीवन के दुखड़े मिटा जाता है
आज के आंसू कल मोती बने अंश को हर पल विश्वास है
जिनकी आँखों में नित प्रेम है
सांवरा उनको अपनाता है
हार कर दर पे

घड़ी खुशियों की जब आये संग संग झूमता गाता है
संतोष के हर एक पल पल का साथी वो बन जाता है
जीवन बगिया महकता है मन में वो बस जाता है
जो इन्हे मानता मीत है सांवरा उनको अपनाता है
हार कर दर पे

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18500/title/haaar-kar-dar-pe-jo-aata-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |